इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

लखनऊ, रविवार, 30 नवम्बर 2025

वर्ष 18 अंक 88 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12+4

ब्रह्माज्ञानी को स्वर्ग तृण है,
शूर को जीवन तृण है, जिसने
इंद्रियों को वश में किया उसको
स्त्री तृण-तुल्य जान पड़ती है,
निस्पृह को जगत तृण है
-चाणक्य

तापमान - अधिकतम 27.7°C (+0.9) न्यूनतम 12.1°C(+1.1) सेंसेक्स 85,706.67 (-13.71) निफ्टी 26,202.95 (-12.60) सोना 1,29,970 चांदी 1,85,000 मुद्रा - डालर 89.134 दिरहम 24.32 रियाल 23.82

एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज में दुर्लभ रिविजन नी आर्थोप्लास्टी

लिम्ब-साल्वेज तकनीक से मरीज को नई उम्मीद

लखनऊ (सं)। एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक विभाग ने एक जटिल रिविजन नी आर्थोप्लास्टी सर्जरी को अंजाम देकर उन्नत रिकंस्ट्रक्टिव ऑर्थोपेडिक सर्जरी में अपनी बढ़ती विशेषज्ञता का परचम लहराया है। सर्जरी करने वाली टीम ने लिम्ब-साल्वेज स्टैटिक एंडोप्रोस्थेसिस तकनीक का इस्तेमाल करते हुए 46 वर्षीय महिला मरीज अंजुम का बिना अंग काटे सफल उपचार किया।

मरीज अंजुम को 15 वर्ष पूर्व राइट टोटल नी रिप्लेसमेंट हुआ था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से वह लगातार दर्द, अस्थिरता और इम्प्लांट फेलियर की समस्या झेल रही थीं। विस्तृत जांच के बाद उनकी चलने-फिरने की क्षमता बहाल करने के उद्देश्य से रिविजन नी आर्थोप्लास्टी का निर्णय लिया गया। ऑर्थोपेडिक टीम ने पुराने इम्प्लांट को हटाकर लिम्ब-साल्वेज स्टैटिक एंडोप्रोस्थेसिस द्वारा नी जॉइंट का पुनर्निर्माण किया, जो अत्यंत जटिल और सूक्ष्म प्रक्रिया मानी जाती है।

काफी देर तक चली सर्जरी में पुराने इम्प्लांट की स्थिति और सॉफ्ट टिश्यू की क्षति जैसी चुनौतियां मौजूद थीं। यह सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद शोएब आरिफ की अगुवाई में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महेश कुमार सोनी, डॉ. मोहम्मद आसिफ, एसआर-2 डॉ. सैफ, डॉ. दिव्यांश और एसआर-1 डॉ. शौर्य सिंह एवं डॉ. भानु की टीम ने पूरी की। मरीज वर्तमान में पोस्ट-ऑपरेटिव वार्ड में स्थिर है। उसकी फिजियोथेरेपी शुरू कर दी गई है, जिससे जल्द ही उसकी मोबिलिटी और फंक्शन में सुधार की उम्मीद है। यह उपलब्धि एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज के ऑर्थोपेडिक विभाग की उन्नत तकनीकों में दक्षता और जटिल रिविजन जॉइंट रिप्लेसमेंट व लिंब-साल्वेज प्रक्रियाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।